

भोपाल	42.6°	30.0°
इंदौर	41.6°	27.0°
जबलपुर	40.6°	27.3°
ग्वालियर	44.2°	28.7°



राजधानी... फ्रांस के साथ
एमयू से प्रदेश की संस्कृति...



खेल... डब्ल्यूटीसी फाइनल में
गेंदबाजों का दबदबा टेस्ट क्रिकेट...



व्यापार... एर इंडिया हादसे से
बढ़ी बीमा कंपनी की मुश्किलें...



देश-विदेश... ईरान पर इजराइल
का बड़ा हवाई हमला परमाणु...

विमान हादसा: 270 शवों का पोस्टमार्टम, ब्लैक बॉक्स मिला

अहमदाबाद (एजेंसी)।

अहमदाबाद में एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 हादसे के 27 घंटे बाद शुक्रवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हाँस्टल की छत पर लिया। इसके जरूर पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था।

एयर इंडिया की फ्लाइट में 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग मौजूद थे। इसमें से एक यात्री की जान बच गई। मरने वालों में राजस्थान से 13, एमपी, हरियाणा और बिहार के एक-एक लोग शामिल हैं। उधर, पूर्व सीएम रूपाणी के शव की पहचान भी अब तक नहीं हो गई है। भृतकों की पहचान के लिए उनके परिजन के डीएनए टेस्ट लिए जा रहे हैं।

रेक्स्यू टीम ने 270 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। इनमें से 7 की बोडी को डीएनए टेस्ट के बाद परिजन को सौंप दी गई है। 14 जून 2024 मुक्त उपर्युक्त विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मुक्त उपर्युक्त विमानों को लोग हाँस्टल के हैं, जहां प्लैन फ्रेश हुआ था। हादसे के बाक वाँस्टल में 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमार्टम हो चुका है। इसके अलावा, 220 लोगों की डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 7 शवों की शिनाख हो गई है। प्लैन हादसे की जांच में 7 एजेंसियां नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी, युजरात पुलिस, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन, यूनाइटेड किंगडम की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन ब्रांच यूनाइटेड स्टेट्स की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन शामिल हैं।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।



शुक्रवार सुबह पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट पीड़ितों से मिले।

एयर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहाँ प्लैन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने फ्लाइट फुकेट के हवाले से बताया कि एयर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था।

विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की। सभी यात्री और क्रू से फैले हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है।

पांजाब में एयरफोर्स के अपार्चे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पांजाब कोट, एजेंसी। पांजाब के पांजाबकोट में शुक्रवार को एयरफोर्स के अपार्चे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। हेलिकॉप्टर ने पांजाबकोट एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरी थी। जैसे ही वह हलेडा गांव के पास पहुंचा तो तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद पायलट ने उसे खेत में लैंड करा दिया।

मारुती भूमिका विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

पांजाब में एयरफोर्स के अपार्चे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पांजाब कोट, एजेंसी। पांजाब के पांजाबकोट में शुक्रवार को एयरफोर्स के अपार्चे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। हेलिकॉप्टर ने पांजाबकोट एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरी थी। जैसे ही वह हलेडा गांव के पास पहुंचा तो तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद पायलट ने उसे खेत में लैंड करा दिया।

मारुती भूमिका विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को यह समझना मुश्किल होता कि हादसा क्यों हुआ। यह पायलट की गलती, तकनीकी खराबी, मौसम या बाहरी हमलों को पहचानने में मदद करता है।

किसी भी विमान हादसे की जांच में सबसे अहम भूमिका ब्लैक बॉक्स की होती है। इसे ऐसे डिजाइन किया जाता है कि खतरनाक क्रैश होने के बावजूद भी कोई नुकसान न हो और ये सुरक्षित रहे। ब्लैक बॉक्स के बिना जांचकार्ताओं को